D.Ed

F4, Unit-3(d)

* कक्षा कक्ष के विविध स्वरूप *

* कक्षा कक्ष के विभिन्न स्वरूप निम्नलिखित हैं।

1. पारम्परिक कक्षा (Traditional Class) -

पारम्परिक कक्षाएं कक्षा कक्ष का सबसे प्राचीनतम स्वरूप है। ये कक्षाएं मूल रूप से शिक्षक केन्द्रित होती थी। कक्षा संचालन के समय शिक्षक का स्थान मुख्य होता था तथा शिक्षक की कही बातों को सही माना जाता था। विद्यार्थियों को अपना मत रखने की स्वतन्त्रता नहीं थी।

2. सृजनात्मक कक्षा -

समय के साथ शिक्षा के बदलते हुए परिदृश्य में कक्षा-कक्ष के पारम्परिक स्वरूप में परिवर्तन हुआ और वर्तमान शैक्षिक परिवेश में कक्षा कक्ष के स्वरूप को छात्र अधिगम की सहजता को बढ़ाने के लिए परिवर्तित किया गया।
ऐसे में शिक्षण के लिए कक्षा कक्ष को एकमात्र स्रोत नहीं माना गया बल्कि बालक को सीखने के लिए सबसे महत्वपूर्ण शैक्षिक परिवेश के निर्माण को माना गया।

शिक्षक अपनी सृजनात्मकता से किसी भी ऐसे स्थान को कक्षा कक्ष का रूप दे सकता है जहाँ अधिगम सम्भव हो अर्थात अधिगम स्थान को कक्षा कक्ष का दूसरा रूप माना जाता है।

Scanned with CamScanner